वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 192 | बुधवार 8 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में SMS के डॉक्टर समेत 35 के नामांकन खारिज

स्क्रूटनी के बाद 19 सीटों पर 254 उम्मीदवार बचे; 9 नवंबर तक हो सकेगी नाम वापसी

जयपुर. कासं

विधानसभा चुनाव में आए नामांकनों की मंगलवार को स्क्रूटनी की गई। जयपुर जिले की 19 सीटों पर हुई स्क्रूटनी में 35 उम्मीदवारों के नामांकन खारिज हो गए। इसके बाद सभी 19 सीटों पर 254 उम्मीदवार बचे हैं। इनके पास नाम वापस लेने के लिए 9 नवंबर तक का समय है। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के सीनियर प्रोफेसर और मधुमेह (शुगर) रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रकाश केसवानी का भी नामांकन पत्र खारिज हो गया है। डॉक्टर केसवानी एसएमएस हॉस्पिटल में सीनियर डायबेटोलॉजिस्ट हैं। उन्हें सरकार से एनओसी नहीं मिली थी और प्रस्तावक भी पूरे नहीं थे। इस कारण नामांकन खारिज कर दिया। केसवानी ने आदर्श नगर विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन पत्र भरा था। जयपुर जिला निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक 7 दिन चली इस नामांकन प्रक्रिया में जयपुर में 289 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र भरा था। इन आवेदन पत्रों की जांच में 30 उम्मीदवार ऐसे थे, जिनके आवेदन पत्रों में खामियां मिलीं। इसके बाद उन्हें खारिज कर दिया। सबसे ज्यादा आवेदन पत्र आदर्श नगर से खारिज किए गए। यहां 9 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र गलत मिले हैं।

स्क्रूटनी के बाद सबसे ज्यादा उम्मीदवार आदर्श नगर में

स्क्रूटनी के बाद अब जयपुर में तस्वीर बदल गई है। आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा 31 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र भरा था, वहां अब 9 उम्मीदवारों के नामांकन खारिज होने के बाद 22 ही रह गए हैं। सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में कुल 26 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र भरा था। इसमें 6 के नामांकन खारिज होने के बाद यहां उम्मीदवारों की संख्या अब 20 रह गई है। आदर्श नगर अब ऐसा विधानसभा एरिया है जहां जिले में सर्वाधिक उम्मीदवार चुनाव लड़ने के लिए रह गए है।

5 विधानसभा में एक भी नामांकन खारिज नहीं

जयपुर में 5 ऐसी विधानसभा है, जहां एक भी उम्मीदवार का नामांकन पत्र खारिज नहीं हुआ है। इसमें झोटवाड़ा, बगरू, मालवीय नगर, दूदू और कोटपूतली है। इस तरह अब सबसे कम उम्मीदवार दूदू विधानसभा में 4 हैं। जहां सीधा मुकाबला देखने को मिल सकता है।

पिछले चुनाव में 347 उम्मीदवारों ने लड़ा था चुनाव

2018 के चुनाव में जयपुर जिले की 19 सीटों पर 347 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था। इसमें सबसे ज्यादा उम्मीदवार किशनपोल विधानसभा में 46 थे, जबकि सबसे कम 6 उम्मीदवार चाकसू सीट से लड़े थे।

राजस्थान के 6 शहरों में बह रही जहरीली हवा

तापमान गिरने के साथ तेजी से बढ़ रहा पॉल्यूशन, सुबह-शाम ठंडक भी

जयपुर. कासं

राजस्थान में मौसम साफ रहने से तापमान में मामूली गिरावट हुई। सभी शहरों में बीती रात न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे दर्ज हुआ। हालांकि, हवा की स्पीड कम रहने से शहरों में प्रदूषण का स्तर अब भी खराब है। एयर क्वालिटी इंडेक्स के हिसाब से प्रदेश के 6 शहर रेड जोन में है। इसमें एनसीआर एरिया भिवाड़ी के अलावा गंगानगर, हनुमानगढ़ भी शामिल है। हनुमानगढ़ में आज AQI लेवल 351 दर्ज हुआ है, जबकि ये 412 पर पहुंच गया था। एनसीआर एरिया भिवाड़ी में इंडेक्स 383 पर दर्ज हुआ। इन शहरों के अलावा दौसा 302, भरतपुर 307, धौलपुर 393 इंडेक्स के साथ रेड जोन में है। शहरों में बिगड़ते पॉल्यूशन का सबसे ज्यादा प्रभाव पुराने अस्थमा मरीजों, दिल के मरीजों और छोटे बच्चों पर देखने को मिल रहा है। इन मरीजों को सांस लेने में तकलीफ होने के साथ खांसी-कफ की शिकायत बढ़ रही है।

इन शहरों में भी स्थिति खराब

6 शहरों के अलावा जयपुर, जोधपुर, चूरू, सीकर, झुंझुनूं में एयर क्वालिटी खराब है। इधर, चूरू में आज इंडेक्स 251, झुंझुनूं में 239, अलवर में 240, सीकर में 220 और कोटा में 214 लेवल पर रहा। जयपुर, जोधपुर शहर में भी आज स्थिति अच्छी नहीं। यहां भी एयर क्वालिटी इंडेक्स 200 से 250 के बीच रहा। जयपुर के आदर्श नगर एरिया में 251, मानसरोवर में 207, रीको सीतापुरा में 256 और मुरलीपुरा में 248, जबकि जोधपुर कलेक्ट्रेट पर एयर क्वालिटी का लेवल 245 दर्ज हुआ।

इसलिए बिगड़ रहा मौसम

विशेषज्ञों के मुताबिक तापमान गिरने और हवा कम रहने से तापमान बिगड़ रहा है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान के अलावा जम्मू-कश्मीर एरिया में एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय है। पाकिस्तान के इस्लामाबाद, लाहोर के आसपास एक साइक्लोनिक सिस्टम भी बना है। इन सिस्टम की वजह से उत्तर-पश्चिम से आने वाली हवा का फ्लो रुक गया है, जिसके कारण शहरों में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। राजस्थान के अलावा दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश के भी कई शहरों में प्रदूषण लेवल खतरनाक स्तर पर है।

मनीष सक्सेना अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

भारत में रेबीज नियंत्रण के क्षेत्र में उत्कर्ष योगदान के लिए मिला सम्मान

कंसास. शाबाश इंडिया

यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका स्थिति रेबीज नियंत्रण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन ग्लोबल एलाइंस फॉर रेबीज कंट्रोल द्वारा वर्ल्ड संगठन के निदेशक एवं राजस्थान स्टेट एनिमल वेलफेयर बोर्ड के सदस्य राष्ट्रीय प्राणी मित्र पुरस्कार विजेता एडवोकेट मनीष सक्सेना को भारत में रेबीज नियंत्रण के लिए सामाजिक जागरूकता, एंटी रेबीज टीकाकरण अभियान तथा रेबीज उन्मुल्लन रणनीति विकसित करने में विशिष्ट योगदान के लिए अंतर्राष्ट्रीय वर्ल्ड रेबीज डे अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया है। स्टेट एनिमल वेलफेयर बोर्ड राजस्थान के सदस्य तथा एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया, भारत सरकार के प्रतिनिधि मनीष सक्सेना पिछले 25 वर्षों से भी अधिक समय से जीव जंतु कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत हैं। उनके द्वारा रेबीज फ्री जयपुर 2030 अभियान भी प्रारंभ किया गया है जिसके माध्यम से श्वानो द्वारा रेबीज से मानव मृत्यु को रोकने तथा श्वानो की आबादी को रेबीज के बोझ से राहत दिलाने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए जा रहे हैं। रेबीज कंट्रोल के लिए वर्ल्ड संगठन, भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड, पशुपालन विभाग, स्थानीय निकाय तथा अन्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर श्वानो के रेबीज टीकाकरण, सामुदायिक जागरूकता, शिक्षा, रेबीज निदान और निगरानी पर निरन्तर विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से कार्य कर रहा है। वर्ल्ड संगठन द्वारा रेबीज फ्री जयपुर 2030 अभियान के तहत रेबीज से बचाव के लिए कौशल संवर्धन, जागरूकता एवं

उन्मूलन हेतु विद्यार्थियों, शिक्षकों, सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं और पशु चिकित्सकों के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जा रही है। रेबीज से होने वाली सभी मृत्यु में 60 प्रतिशत तक बच्चे होते हैं। वर्ल्ड संगठन द्वारा स्कूली बच्चों को रेबीज रोग और श्वानो से काटने के बचाव के बारे में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का लक्ष्य सरकार के साथ मिलकर वर्ष 2030 तक श्वानो द्वारा रेबीज से होने वाली मानव मृत्यु को समाप्त करना है साथ ही पशु चिकित्सा, सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा शैक्षणिक जागरूकता के माध्यम से रेबीज से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों के लिए नीति निर्धारण तथा क्षमता निर्माण करने के लिए कार्य करना हैं। पशु कल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान एवं सेवाओं को देखते हुए एडवोकेट मनीष सक्सेना को राजस्थान सरकार, भारत सरकार तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा अनेकों बार सम्मानित किया गया है तथा उन्हें राजस्थान सरकार द्वारा वन विभाग का मानद् वन्यजीव प्रतिपालक एवं राज्य के विभिन्न जिलों में गठित पशु क्रूरता निवारण समितियो का सदस्य भी मनोनीत किया गया है।

-मनोज सिंह,जनसंपर्क अधिकारी

समाज हित में जैन हेल्पलाइन का शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां में दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अंतर्गत जैन समाज की केंद्रीय जैन हेल्पलाइन का शुभारंभ किया गया। भगवान महावीर के 2550 में निर्वाण महोत्सव के पावन प्रसंग पर परस्परोहग्रहों जीवानाम् की मंगल भावना एवं साधर्मी वात्सल्य हेतु मंगलाचरण के बाद अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, मंत्री सुभाष चंद जैन जौहरी एवं जैन विद्या संस्थान के डॉक्टर कमलचंद सोगानी ने दीप प्रज्जवलन कर एवं कम्प्यूटर का बटन दबाकर शुभारंभ किया। इस मौके पर क्षेत्र कमेटी के उपाध्यक्ष एस के जैन, सी पी जैन, संयुक्त मंत्री उमराव मल संघी, कोषाध्यक्ष विवेक काला, जस्टिस एन के जैन, पी के जैन, पी सी जैन, अनिल दीवान, सुरेश सबलावत सहित बड़ी संख्या में कार्यकारिणी सदस्य शामिल हुए। शुभारंभ समारोह में राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, महामंत्री मनीष बैद, राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदीप जैन, विनोद कोटखावदा, जैन सिटीजन फाउंडेशन के सुधीर गोधा, प्रशासनिक समन्वयक अधिकारी भारत भूषण जैन, जयपुर जैन सभा के सुदीप बगडा, नवीन जैन बिल्टी वाला, विपिन बज सहित अनेक संस्थाओं एवं ट्रस्टों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। जैन हेल्पलाइन के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल ने बताया कि जयपुर दिगंबर जैन समाज की सभी धार्मिक, सामाजिक संस्थाओं तथा समाज बंधुओ के सहयोग से जरूरतमंदों को शिक्षा, स्वास्थ्य, जीवन यापन के लिए आर्थिक सहयोग तथा विभिन्न सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की सूचना एक स्थान पर उपलब्ध हो सके, इस हेतु इस जैन हेल्पलाइन का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि इस हेल्पलाइन का नियमित संचालन प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक तथा रविवार को प्रातः 10 से 12 बजे तक किया जाएगा। इसके लिए सभी के सहयोग से एक ध्रुव फंड तथा संचालन समिति का गठन भी किया जाएगा, जिससे यह हेल्पलाइन सूचना व सेवाओं के आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम बनकर समाज उत्थान का कार्य कर सकेगा। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक हैल्प लाइन पर साधु - संतों के प्रवास, विहार, चातुर्मास की सूचना, समाज के धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों की सूचना, वैवाहिक बायोडाटा सूचना, जरुरतमंद, विधवा, दिव्यांगो, वृद्ध जनों को जीवन यापन के लिए आर्थिक सहायता, जरुरत मंद विद्यार्थियों को शिक्षा हेतु सहयोग, जैन औषधालय, चिकित्सा सुविधा, ब्लड बैंक, मेडिकल उपकरणों के सम्बन्ध में जानकारी, रोजगार अवसर की जानकारी एवं कैरियर परामर्श एवं मार्गदर्शन, आगंतुक यात्रियों को यात्रा के सम्बन्ध में जानकारी, अल्पसंख्यक, ईवीएस तथा अन्य प्रमाण पत्र बनवाने की जानकारी, अल्पसंख्यक मंत्रालय की योजनाओं की जानकारी, जिनवाणी, प्रतिमा जी, मंदिर पुजारी, व्यवस्थापक सूचना, पुरानी पाठ्य पुस्तकों का आदान प्रदान, जैन छात्रों के लिए पी जी, होस्टल जानकारी, शहर के जैन मंदिरों के नजदीक उपलब्ध आवास व्यवस्था की जानकारी, राजकीय विभागों में कार्यरत समाज के अधिकारियों की जानकारी, महिला गृह उद्योग सूचना सहित समाज हित के कई कार्य तथा सूचनाऐं उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके लिए हैल्प लाइन नम्बर 78499 09137 एवं 87644 29470 भी जारी किया गया। सभी आगंतुकों ने सहयोग का पूरा आश्वासन दिया। मंच संचालन नवीन जैन बिल्टीवाला ने किया।

आचार्य श्री 108 चैत्य सागर जी मुनिराज का पदमपुरा से मंगल विहार 16 नवंबर को

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर पार्श्वनाथ जी सोनियान, खवासजी का रास्ता, जयपुर में होगा मंगल आगमन

जयपुर. शाबाश इंडिया। पूज्य आचार्य श्री 108 चैत्य सागर जी मुनिराज का 16 नवंबर, 2023 को पदमपुरा से पार्श्वनाथ मंदिर, सोनियान के लिए मंगल विहार होगा। मंगलवार, 7 नवंबर 2023 को अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा में विराजित परम पूज्य वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री 108 विमल सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य आचार्य श्री 108 चैत्य सागर जी मुनिराज के श्री चरणों में पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सोनियान की प्रबंध समिति के पदाधिकारियों ने मंदिर में पधारने हेतु श्रीफल भेंट किया। पूज्य गुरु देव ने स्वीकृति प्रदान कर दिया मंगल आशीर्वाद। मंदिर समिति के मंत्री संजय गोधा ने बताया कि आज प्रबंध समिति के अध्यक्ष कमल दीवान, उपाध्यक्ष विनोद बिलाला, कोषाध्यक्ष नरेश छाबडा और उप मंत्री रवि जैन को आचार्य श्री चैत्य सागर जी ससंघ ने मंदिर पधारने के निवेदन को स्वीकृति प्रदान की और अतिशय क्षेत्र पदमपुरा से दिनांक 16 नवंबर, 2023 को जयपुर शहर के लिए विहार करने हेतु आशीर्वाद दिया।

मुम्बई में लेकसिटी के 10 कलाकारों की प्रदर्शनी

उदयपुर. शाबाश इंडिया। मुम्बई में आयोजित होने वाली हाट ऑफ आर्ट :आर्ट फेयर में उदयपुर 10 चुनींदा कलाकार की कलाकृतियों को प्रदर्शित किया जाएगा। गौरतलब है कि बॉलीवुड इंडस्ट्री द्वारा देश में पहली बार कलाकारों को कला मंच देने के उद्देश्य से बिंदु दारासिंह और एक्सोबज द्वारा 9 से 11 नवंबर को यह आर्ट फेयर आयोजित होगा। बता दें इसमें देश की 150 से ज्यादा गैलरी के कलाकारों सहित फ्रीलान्स कलाकारों की कृतियां मुम्बई गोरेगाँव स्थित बम्बई एग्जीबिशन सेंटर नेस्को में प्रदर्शित होगी। जिसमें उदयपुर के डॉ. निर्मल यादव और क्यूरेटर डॉ. मनीषा साँचीहर इंस्पिरिट आर्ट गैलरी द्वारा दिनेश कोठारी, शर्मिला राठौड़, इति कच्छावा, नेहा चपलोत, राहुल माली, निर्भय राज सोनी, डी बी सर. मनदीप मीरा शर्मा की चित्रकृतियों के अलावा दीव से पद्मश्री प्रेमजीत बारिया, अहमदाबाद से शोभा वर्मा और ईशा भाविषि, जयपुर से शिल्पकार हंसराज चित्रभूमि, पुणे से मानसी पालशिकर, छत्तीसगढ़ से शिल्पकार नरेंद्र देवांगन, कोल्हापुर से जावेद गुलाब मुल्ला और अन्तराष्ट्रीय कलाकार में डैनमार्क से कैथरीन कार्लसन एवं यू के से एंड्रीयू हॉर्सफल की कृतियों को उच्च श्रेणी के बूथ अ6 और अ7 में प्रदर्शित किया जाएगा। इंस्पिरिट आर्ट के सौजन्य से इसके बाद ये प्रदर्शनी पुणे के महाराष्ट्र कल्चर सेंटर की सुदर्शन कलादलन आर्ट गैलरी में 16 से 21 नवंबर तक लगेगी। जिसमें जयपुर के शिल्पकार हंसराज चित्रभूमि ऊंठ शिल्पकला का क्ले डेमोस्ट्रेशन और निर्भय राज सोनी का डेमोंस्ट्रेशन कैमलिन द्वारा करवाया जाएगा। बाद में अगले साल अप्रैल माह में इन सभी कलाकारों की कृतियों को अन्तर राष्ट्रीय स्तर पर दुबई में प्रदर्शित किया जाएगा। यह जानकारी डॉ. निर्मल यादव और डॉ. मनीषा साँचीहर ने मुंबई में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान साझा की। इस मौके पर अभिनेत्री पूजा बत्रा, संयोजक बिंदु दारासिंह, अभिनेता अनिल जॉर्ज, आनंद राउत, मुकेश ऋषि और शाहबाज खान जैसे कई अभिनेता और निर्देशक उपस्थित थे। **रिपोर्ट/फोटो : योवंतराज माहेश्वरी**

धर्म की पाल बांधने से जीवन संवरता है और आत्मा को मोक्ष की प्राप्ति : महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। धर्म की पाल बांधने से जीवन संवरता है और आत्मा को मोक्ष ।मंगलवार साहुकारपेट जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने श्रावक-श्राविकाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि संसार मे जितनें भी महापुरुष हुए उन्होंने धर्म की शरण लेकर अपनी आत्मा को मोक्ष दिलवाया। संसार में भक्ति का मार्ग मनुष्य के लिए मोक्ष की प्राप्ति के द्वार खोलता है परंतु भक्ति पूर्ण लगन से होनी चाहिए। भक्त पूरी तरह

से स्वयं भी भगवान की शरण में सौंप दे। सांसारिक बातों से कोई मोह न रखें तो वह धर्म की पाल को बांधकर अपनी आत्मा को मोक्ष दिलवा सकता है। व्यक्ति को भाग्यवादी न बनकर कर्मवादी बनना चाहिए। अच्छा और सात्विक आचरण एवं अच्छे कर्मों के द्वारा ही व्यक्ति इस जन्म-मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है। मनुष्य को यह नहीं सोचना चाहिए कि दुसरें क्या कर रहे है उसे स्वंय की सोच रखकर अपनी आत्मा के उत्थान का लक्ष्य लेकर धर्म के सहारा लेकर जीवन को सुखमय बनाना चाहिए । तभी वह आत्मा को संसार से मुक्ति दिलवा पाएगा। साध्वी स्नेहप्रभा ने श्रीमद उत्तराध्ययन सूत्र के छब्बीसवें अध्याध्य सामायरी पाठ का वर्णन करते हुए कहा कि बड़ो की आज्ञा का पालन जो संत हो या गृहस्थ करता है तो वह महान और बड़ा बन जाएगा। ज्ञान जीवन मे आ गया और बड़ो का सम्मान करना नहीं आया तो उसका ज्ञान प्राप्त करना व्यर्थ है बड़ो के प्रति नम्र और विनय के गुण आने पर ही वह संसार में महान बन पाएगा।श्रीसंघ के कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देतें हुए बताया धर्मसभा मे उपवास के आयंबिल के प्रत्याख्यान लेने वालें भाई-बहनों का सुरेश चंद डूगरवाल, शम्भूसिंह कावड़िया मंत्री सज्जनराज सुराणा और पृथ्वीराज वाघरेचा ने स्वागत किया।

वेद ज्ञान

जीवन और संभावना...

प्रतिकूल परिस्थितियों से निकलकर सफलता तक जाने वाली हर यात्रा अनोखी और अद्वितीय होती है। सवाल इस बात का नहीं होता कि आप आज क्या हैं, क्या कर रहे हैं, क्या उम्र और समय है? जीवन में सफलता और असफलता, सुख और दुख, हर्ष और विषाद साथ-साथ चलते हैं, लेकिन जीवन उनका सार्थक है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी मुस्कराते हैं। इतिहास साक्षी है कि मनुष्य के संकल्प के सम्मुख देव, दानव सभी पराजित होते हैं। अक्सर जीवन में हम भंवर में फंस जाते हैं। ऐसा लगता है कि सारे दरवाजे बंद होते जा रहे हैं, जबकि वास्तव में ऐसा होता नहीं है। ये वो अवसर रूपी दरवाजे होते हैं, जिनसे हमें उम्मीद होती है। अक्सर ऐसी स्थिति पहले निराश करती है। फिर कुंठा देती है और तन-मन को हताशाओं से भरने लगती है। बिखराव शुरू हो जाता है, चरित्र बदलने लगता है, लेकिन कुछ लोग इन्हीं स्थितियों में मजबूत होते हैं और खराब समय को ही अपने जीवन को स्वर्णिम ढंग से रूपांतरित करने वाला समय बना देते हैं। जो विपरीत हालात में धैर्य और खुदी को बुलंद रखता है, उसके रास्ते से बाधाएं हटती ही हैं, बेशक देर लग जाए। अगर पत्थर पर लगातार रस्सी की रगड़ से निशान उभर आते हैं तो अकूत संभावनाओं से भरी इस दुनिया में क्या नहीं हो सकता, जहां सभी के लिए पर्याप्त अवसर और पर्याप्त रास्ते हैं। जब हम सही रास्ते की तलाश कर रहे होते हैं तब अक्सर हम बाधाओं से तब टकराते रहते हैं और सही रास्ता मिलने पर सफलता की ओर हमारे पैर खुद ही बढ़ने लग जाते हैं, लेकिन अक्सर इस तलाश में ही बहुत सारे लोग निराश हो जाते हैं, धैर्य खो देते हैं और किस्मत को कोसने लगते हैं। शेक्सपीयर कहते थे कि हमारा शरीर एक बगीचे की तरह है और दृढ़ इच्छाशक्ति इसके लिए माली का काम करती है, जो इस बगिया को बहुत सुंदर और महकती हुई बना सकती है। एक विद्वान ने कहा है कि किसी भी तरह की मानसिक बाधा की स्थिति खतरनाक होती है। खुद को स्वतंत्र करिए। बाधाओं के पत्थरों को अपनी सफलता के किले की दीवारों में लगाने का काम करिए। अच्छे काम के लिए धन की कम आवश्यकता पड़ती है, पर अच्छे हृदय और संकल्प की अधिक। इसलिए जीवन में बाधाओं से घबराएं नहीं, बल्कि उनका डटकर मुकाबला करें।

संपादकीय

हिलती धरती ने दी भविष्य को लेकर खतरे की आहट

प्राकृतिक उथल-पुथल के रूप में कोई आपदा तबाही का कारण बनती है, तो वह कई बार आने वाले उससे बड़े खतरे का आहट होती है। शुक्रवार को नेपाल से लेकर उत्तर भारत के एक बड़े इलाके में आए भूकम्प का दायरा जितना बड़ा था और जितनी अवधि के लिए दर्ज किया गया, उसे एक तरह से समय रहते खतरे से बचाव का इंतजाम करने की चेतावनी माना जाना चाहिए। हालांकि इससे जानमाल का नुकसान मुख्य रूप से नेपाल में सीमित रहा और वहां डेढ़ सौ से ज्यादा लोगों की जान जाने की खबर आई, लेकिन इस बार धरती हिलने की जैसी प्रकृति देखी गई, उससे भविष्य को लेकर कई तरह की आशंकाएं पैदा हुई हैं। गौरतलब है कि 6.4 तीव्रता वाले इस भूकम्प का केंद्र काठमांडो से तीन सौ इकतीस किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में दस किलोमीटर जमीन के नीचे था। नेपाल में इसका असर सबसे ज्यादा देखा गया, लेकिन भारत में भी दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार जैसे राज्यों में देखा गया, जहां काफी देर तक लोगों ने धरती का हिलना महसूस किया। पिछले कुछ समय से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जिस तरह लगातार भूकम्प से तबाही के मामले सामने आ रहे हैं, उससे यह आशंका उभरती है कि कहीं धरती के भीतर कोई व्यापक उथल-पुथल तो नहीं हो रही है। शुक्रवार को आए भूकम्प को नेपाल में इससे पहले 2015 में आए विनाशकारी भूकम्प के बाद सबसे घातक और खतरनाक माना जा रहा है। गौरतलब है कि 25 अप्रैल 2015 को नेपाल में 7.8 तीव्रता का जबरदस्त भूकम्प आया था, जिसमें जानमाल की व्यापक हानि हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक, इसमें करीब दस हजार लोगों की मौत हो गई, दस लाख घरों को नुकसान पहुंचा और करीब अट्ठाईस लाख लोग विस्थापित हुए थे। यों नेपाल में पिछले तीन सालों में 5.5 तीव्रता वाले भूकम्प पांच बार आ चुके हैं। भारत के भी कई राज्यों में पिछले कुछ समय से जिस तरह कम या ज्यादा तीव्रता वाले भूकम्प आ रहे हैं, उसे एक तरह से बचाव के इंतजामों को लेकर सचेत रहने की चेतावनी माना जाना चाहिए। विडंबना यह है कि भूकम्प एक ऐसी आपदा है, जिसके आने के वक्त के बारे में कोई पक्की और तात्कालिक सूचना हासिल करने या अनुमान लगा पाने की कोई तकनीक विकसित नहीं हो सकी है। ज्यादा तीव्रता वाला भूकम्प आने के बाद यह राहत के स्वरूप पर निर्भर करता है कि कितने लोगों की जान बचाई जा सकी। इससे पहले सिर्फ यही रास्ता बचता है कि इंसान अपनी रिहाइश के ऐसे तौर-तरीके और बचाव के इंतजाम विकसित करे, जिसमें बड़े भूकम्प में भी ज्यादा से ज्यादा लोगों की जान बच सके। घर बनाते समय हल्के वजन के घर या भूकम्परोधी बुनियाद पर इमारत का निर्माण अचानक आए भूकम्प की स्थिति में बचाव की एक गुंजाइश देता है। इसके साथ जो इलाके भूकम्प के लिहाज से संवेदनशील माने जाते हैं, उसमें भूकम्प के समय घरों में फंसने पर बचाव के छोटे-छोटे इंतजामों को लेकर जागरूकता का प्रसार, खतरे की चेतावनी प्रणाली सहित राहत और बचाव इंतजामों के प्रति पूरी तरह चौकसी बरतना कुछ ऐसे कदम हो सकते हैं, जिनसे जानमाल के नुकसान को कम किया जा सकता है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

कृत्रिम बुद्धिमत्ता

तकनीक और राजनीति की दुनिया के दिग्गजों ने उचित ही चेतावनी दी है कि अगर कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नियंत्रित नहीं किया गया, तो दुनिया के लिए भारी जोखिम पैदा हो जाएगा। लोगों की गोपनीयता तो खत्म होगी ही, इंसानी जीवन पर भी खतरा मंडराने लगेगा। ब्रिटेन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिखर सम्मेलन का आयोजन दरअसल समाधान खोजने का सराहनीय प्रयास है। ऐसे शिखर सम्मेलन की लंबे समय से प्रतीक्षा थी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर लगातार चिंता बढ़ रही है। ब्रिटेन में आयोजित शिखर सम्मेलन की यह बड़ी कामयाबी है कि तकनीक की दुनिया के दिग्गज जोखिमों को कम करने के लिए तैयार दिखे हैं। एआई के विकास में सरकारों के साथ मिलकर काम करना जरूरी है, ताकि कानून कायदे के अंतर्गत ही इस नई तकनीकी का विकास हो। अगर निजी कंपनियों में एआई के विकास को लेकर खुली प्रतिस्पर्द्धा छिड़ी, तो यह मानवता को नुकसान पहुंचाने लगेगी। एआई के विकास में लगे नेताओं को जिम्मेदारी का एहसास कराने में शिखर सम्मेलन को कामयाबी मिली है व भविष्य में आने वाली तकनीक के न्याय- अनुकूल होने की संभावना बढ़ गई है। चूंकि इस शिखर सम्मेलन को यूरोप के अनेक नेताओं ने गंभीरता से लिया है और इसमें अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी भाग लिया है, इसलिए इसके महत्व को समझा जा सकता है। फ्रांस व जर्मनी के वित्त मंत्री, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस, ब्रिटेन व इटली के प्रधानमंत्री, ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री ने भी हिस्सा लिया है। खास यह कि चीन के नेता भी शिखर सम्मेलन शामिल हुए हैं। तमाम नेताओं ने एआई से जुड़े जोखिम को पहचानने और उसके उपचार पर जोर दिया है। दुनिया में एआई को लेकर एक साझा नीति बहुत जरूरी है, ताकि कोई भी देश या कंपनी इस अत्याधुनिक तकनीक का दुरुपयोग न कर सके। वास्तव में, यह अन्य तकनीकी की तरह नहीं है। चूंकि इंटरनेट की दुनिया पूरी तरह से जुड़ी हुई है, इसलिए एआई के विकास या उसके प्रभाव को किसी खास देश या क्षेत्र तक सीमित नहीं रखा जा सकता। मान लीजिए, कोई देश एक हथियार विकसित करता है, तो उससे सभी को खतरा नहीं हो सकता है, वह देश अपनी सुरक्षा के लिए हथियार बनाए और संरक्षित रखे। मगर एआई तकनीक को सीमा में नहीं बांधा जा सकता। एक बार कहीं वह इंटरनेट पर उपलब्ध हुई, तो उसके सदुपयोग और दुरुपयोग करने वाले अनेक पैदा हो जाएंगे। अतः एआई पर निगरानी जरूरी है। एआई के मोर्चे पर केवल समान विचारधारा वाले देशों का परस्पर सहमत होना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए सभी देशों को सहमत होना पड़ेगा। यूरोप, अमेरिका जैसे देश मिलकर अगर कोई तंत्र बनाएंगे, तो केवल उतना ही दुनिया के लिए पर्याप्त नहीं होगा। डिजिटल दुनिया केवल विकसित या पश्चिमी देशों तक सीमित नहीं है। ऋषि सुनक जैसे नेताओं को व्यापकता में सोचना चाहिए और समान विचारधारा के देशों को साथ लेने के बजाय सभी को साथ लेना चाहिए और सभी देशों को एआई के मोर्चे पर समान नीति के पालन के लिए पाबंद भी करना चाहिए। यह शिकायत भी गौरतलब है कि तकनीक का फायदा चंद देशों को ज्यादा हुआ है और अब चूंकि तकनीक की उपलब्धता बढ़ गई है, तो कुछ देश एआई जैसी तकनीक पर अपना शिकंजा कसना चाहते हैं। कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में विकसित देशों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एआई के सदुपयोग का विस्तार हो।

दिगम्बर जैन महासमिति सांगानेर संभाग की मीटिंग सम्पन्न

जैन तीर्थक्षेत्र एवं जैन सन्तों की सुरक्षा: जैन समाज की प्राथमिकता

सांगानेर, जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन महासमिति सांगानेर संभाग की मीटिंग संभाग अध्यक्ष कैलाशचन्द मलैया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। दीप प्रज्जलन प्रेमचन्द बडजात्या, सुरेन्द्रकुमार झाझरी, अशोककुमार बाकलीवाल, बाबूलाल ईटूंदा ने किया। मंगलाचरण हीरादेवी पाटनी, मधु जैन एवं राखी जैन ने किया। मीटिंग से पूर्व ब्र.अनिलकुमारजी जैन प्राचार्य (श्री दिगम्बर जैन स्नातकोत्तर संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर) के द्वारा भक्तामर स्तोत्र के आधार पर शोध परक व्याख्यान दिया गया। मीटिंग में कार्यकारिणी के अलावा समस्त इकाईयों के अध्यक्ष, मंत्री, समस्त विशिष्ट एवं संरक्षण सदस्य भी आमंत्रित थे। सर्व प्रथम समस्त इकाई अध्यक्ष, मंत्रियों ने अपनी इकाई की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत कीं जिसमें चौमूबाग इकाई से युवा मंत्री इकाई एवं संभाग आशीष पाटनी, प्रतापनगर सेक्टर-3 से अध्यक्ष सुरेन्द्रकुमार झांझरी, सेक्टर -5 से उपाध्यक्ष पवनकुमार जैन निवाई, सेक्टर -8 से मंत्री बाबूलाल ईटूंदा, सेक्टर-17 से मार्गदर्शक एवं संभाग कार्याध्यक्ष डॉ. बी.सी.जैन, श्योपुर से अध्यक्ष राजेश कुमार पाण्डया ने सदस्यता, मीटिंग्स, पाठशाला, दैनिक स्वाध्याय, मासिक णमोकार - भक्तामर जी पाठ, ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर, दशलक्षण पर्व, जैन यात्रा, दाना-पानी परिण्डा, चातुर्मास, पंचकल्याणक, संभागीय आहार- विहार, संगोष्ठी आदि संचालित गतिविधियां की विस्तृत रिपोर्ट दी। इसके बाद पूर्व पारित प्रस्ताव कार्यों में पवन कुमार जी निवाई ने सिद्धार्थ नगर नवीन गठन इकाई, एवं आजीवन, विशिष्ट एवं संरक्षक सदस्यों की संख्यात्मक प्रगति बताई। युवा मंत्री आशीष पाटनी ने जैन तीर्थ एवं जैन संत हो रहे अतिक्रमण एवं आक्रमण पर भारी चिन्ता व्यक्त की तथा सुरक्षा/संरक्षण करना समाज का पहली प्राथमिकता बताया। बाबूलाल ईटूंदा ने जैन धर्म एवं समाज के अस्तित्व की सुरक्षा, संरक्षण एवं विकास के लिए जैनों का प्रत्येक स्तर पर प्रत्यक्ष राजनीति अति आवश्यक बताया एवं इस चुनाव में जैन उम्मीदवारों को समर्थन करने का आह्वान किया। प्रेमचन्द बडजात्या ने इकाईयों एवं कार्यकताओं को प्रोत्साहित करने एवं इकाईयों के वित्तीय प्रबंधन की बात की। राखी जैन ने युवा एवं महिलावर्ग को आगे लाने की बात की। मीडिया प्रभारी दीपक गोधा ने जैन सोशल मीडिया को सशक्त करने एवं उपयोग करने की बात की। महासमिति ने कुछ महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किये - युवा एवं महिला प्रकोष्ठ का विस्तार, संभाग स्तरीय कार्यशाला, एवं विगत कार्यों से जुडी इकाईयों, मन्दिर कमेटियों, प्रभारियों, शिक्षकों का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन आदि। इसके बाद आगन्तुक नये विशिष्ट सदस्य एवं संरक्षकों का सम्मान किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में कैलाशचंद्र मलैया ने तीर्थ एवं संत सुरक्षा के लिए सभी मत एवं मनभेदों को मिटाकर एकजुट होने पर बल दिया। इकाईयों में नियमित धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियां संचालित करते हुए त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट भेजना की बात की। नये सदस्यों के इकाई वार आईडी कार्ड वितरित किये गये। सभी का आभार प्रदर्शन कर शान्तिपाठ के साथ समापन किया गया। संचालन संभाग मंत्री डॉ. अरविन्द कुमार जैन ने किया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप स्वस्तिक का दिवाली मिलन संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। स्वस्तिक ग्रुप का दिवाली मिलन का कार्यक्रम 6 नवंबर को सन्मति भवन, मालवीय नगर में शानदार और सफल रूप से संपन्न हुआ। अध्यक्ष सतीश बाकलीवाल ने बताया कि 60 साथियों ने भाग लिया और उपाध्यक्ष श्रीमति रंजू बाकलीवाल ने दीप प्रज्वलन किया। मंगलाचरण मधु बाकलीवाल, रंजना बोहरा , संगीता जैन और शकुन बाकीवाला ने किया संयोजक रोहित और सविता जैन थे। उपाध्यक्ष अमर चंद पाटनी, कोषाध्यक्ष पवन ठोलिया , उपमंत्री विनय छाबड़ा , निदेशक अशोक जैन और अन्य कई पदाधिकारी उपस्थित थे। मीटिंग का संचालन कमलेश बाकलीवाल ने किया।

प्रदोष काल शुभ, अमृत की चौघड़िया एवम स्थिर वृष लग्न में दीपावली, महालक्ष्मी पूजन मुहूर्त

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। पिछले कुछ वर्षों से दीपावली अर्थात कार्तिक कृष्ण अमावश्या तिथि का चौदस के दिन दोपहर बाद प्रारम्भ होना और अमावश्या वाले दिन प्रदोष बेला में तिथि न होकर दोपहर तक समाप्त होने से जन मानस में भ्रम की स्थिति बनती है। वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ. हुकुमचंद जैन ने कहा कि कुछ वर्षों से प्रदोष काल चतुर्दशी तिथि में आने से संशय बनता है । जिससे छोटी दीपावली वाले दिन ही बड़ी दीपावली, महालक्ष्मी पूजन किया जाता है यानी छोटी और बड़ी दीपावली एक ही दिन रूप चतुर्दशी को हो रही है। ज्योतिषाचार्य जैन के अनुसार दीपावली पूजन मुहूर्त अमावश्या तिथि प्रारम्भ 12 नवम्बर रविवार दोपहर 14:44 बजे से प्रारम्भ होगी, जो 13 नवम्बर सोमवार दोपहर 14:56 बजे तक अमावश्या तिथि समाप्त होजाएगी । 13 नवम्बर को शाम प्रदोष काल के समय अमावस्या नहीं रहेगी। पूजन मुहूर्त 12 नवम्बर रविवार फेक्ट्री, व्यापार, दुकान स्थलों के लिए दीपावली, महालक्ष्मी पूजन मुहूर्त- कलम, दवात, सामग्री, यंत्र रचना करने के लिए 12 नवम्बर रविवार लाभ एवं अमृत की चौघड़िया प्रातः लाभ 09:24 बजे से 10:44 बजे तक, अमृत 10:44 बजे से 12:05 बजे तक, अभिजीत मुहूर्त 01:26 बजे से 02:46 बजे तक । दीपावली महालक्ष्मी पूजन मुहूर्त :- प्रदोष काल, और शुभ की चौघड़िया शाम को 05:29 बजे से 07:07 बजे तक, प्रदोष काल और अमृत की चौघड़िया शाम 07:07 बजे से 08:45 बजे तक सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त : शाम 05:29 बजे से 08:45 बजे तक प्रदोष काल स्थिर वृष लग्न एवम शुभ और अमृत की चौघड़िया में सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त है। महालक्ष्मी मंत्र जाप,साधना पूजन लिए - निशित काल रात्रि 11:35 से 12:28 बजे तक। निशित काल एवम सिंह स्थिर लग्न में रात्रि 12:09 से 02:40 बजे तक श्रेष्ठ मुहूर्त है।

जैन मुहूर्त: भगवान महावीर निर्वाण,गौतम गणधर /सरस्वती पूजन, जो शुद्ध जैन आमना से पूजन करना चाहते हैं वो 13 नवम्बर सोमवार को महावीर निर्वाण लाडू के बाद से अमावश्या तिथि रहते तक दोपहर 14: 56 बजे तक अपने अपने फेक्ट्री, व्यापार, दुकान, निवास आदि स्थलों पर पूजन करें।

13 नवम्बर सोमवार के मुहूर्त : महावीर निर्वाण लाडू मुहूर्त प्रातः अमृत की चौघड़िया और स्थिर बृश्चिक लग्न में प्रातः 06:43 बजे से 09:30 बजे तक। इस उपरांत ही गौतम स्वामी/सरस्वती पूजन करें । दूसरा मुहूर्त दोपहर स्थिर कुंभ लग्न में 13:26 बजे से 14:56 बजे तक अमावश्या तिथि के रहते तक श्री गौतम स्वामीजी /सरस्वती पूजन करना श्रेष्ठ एवं शुभ है।

आदरणीय श्री सुरेन्द्र कुमार जी जैन पांड्या

को जन्मदिन (8 नवम्बर) पर

हार्दिक शुभकामनाएँ

मोबाइल
@ 98290 63341

निवास : 477, एकता ब्लाक,
महावीर नगर, जयपुर (राज.)

शुभेच्छु:

सकल दिगम्बर जैन समाज जयपुर

"अंधेरे में उजाले का प्रतीक दीवाली"

निर्जीव होते रिश्तों के पतझड़ के मौसम में जब किसी उत्सव त्यौहार की बहार आती है, तो पल दो पल या कुछ वक्त के लिए ही सही अरमानों की नई कोपल फूट पड़ती है और मन मयूर संबंधों और भावनाओं की नई खुशबू से नाच उठता है और जब यह पर्व दीपावली का हो तो बात कुछ खास हो जाती है, खास इसलिए की दिवाली अंधेरे पर उजाले की जीत का प्रतीक है। यदि अंधेरा जीवन के एक उदास पहलू का नाम है, तो रोशनी जिंदगी के उसे दूसरे पहलू के रूप में परिभाषित होती है। जिसके रंग उल्लास और उमंग से बनते हैं। दिवाली का यही अर्थ है और यही अर्थ हमारी सामाजिकता को एक नया रंग रूप प्रदान करता है। शायद यही वजह है कि दिवाली की आहट होते ही पलके अपनों के इंतजार में बिछ जाती है। हृदय संबंधों को संजीव करने की जुगत में धड़क उठता है और मन संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने में व्यस्त हो जाता है। सुख शांति और समृद्धि की चाह में हम जैसे ही जैसे अमावस्या की रात को दीपकों की रोशनी से उजास करते जाते हैं, वैसे-वैसे संबंधों की ढीली पड़ी गांठ को मजबूत करने के लिए कुछ गांठ और बांध लेते

हैं। पर जैसे ही दीवाली के दीपकों की लौ बुझती है रात के रंग की तरह मन का रंग भी काला पड़ने लगता है और धीरे-धीरे रिश्तो की गर्माहट फिर से ठंडे कोहरे में समा जाती है, जैसे सब कुछ बनावटी सा दिखावे के रंगों से रंगा हुआ। आखिर इसका मतलब क्या है? क्या सच यह नहीं है कि हम बिल्कुल बनावटी हो गए हैं? हम अपना प्रेम अपना भाव अपना संबंध और मानवीयता तभी प्रदर्शित करते हैं जब उस प्रदर्शन से हमें कोई लाभ होने की उम्मीद हो? त्यौहार हमारे ऐसे ही प्रदर्शन के प्रतीक बन गए हैं। जब त्यौहार आते हैं हम अपनो को, सगे संबंधियों को एकत्रित कर अपने वैभव ठाठ बाट, ऐश्वर्य और धन दौलत की नुमाइश करते हैं। वे मुग्ध होते हैं तो हम खुद को बड़ा महसूस करते हैं और हमारा लाभ यह है कि हमारे अहं की संतुष्टि होती है। हमारे मन में यह भाव तो होता ही नहीं कि त्यौहारों के माध्यम से आपसी सद्भाव को बढ़ाया जा सकता है और संबंधों को नया रंग रूप दिया जा सकता है। जब हमारी मूल सोच यही है तो हमें सामाजिकता से क्या लेना? सामाजिक सरोकारों से क्या लेना? अगर आज आदमी, आदमी से टूट रहा है, रिश्ते व्यवसायिकता में बदल रहे है, मन की कोमल भावनाएं पथराकर निर्दयी बनती जा रही है, तो इसकी मूल वजह हमारी ऐसी ही सोच का होना है। जब तक हमारे विचार नहीं बदलेंगे इंसानियत की सोच नहीं पैदा होगी, पूरा समाज इसी तरह से बिखरा बिखरा तनावग्रस्त नजर आता रहेगा, भले ही हर साल हम दीपावली के हजारों हजार दीपक जलाकर रात का अंधेरा भगाते रहे। बेहतर यह होगा कि इस साल की दीवाली हम मानवता

अगर आज आदमी, आदमी से टूट रहा है, रिश्ते व्यवसायिकता में बदल रहे है, मन की कोमल भावनाएं पथराकर निर्दयी बनती जा रही है, तो इसकी मूल वजह हमारी ऐसी ही सोच का होना है।

और भाईचारे की नई थीम के साथ मनाये। यदि बाती प्रेम की हो तो तेल हो सद्भाव का। दीपक की जो रोशनी हो, उससे मन का अंधियारा दूर हो। उल्लास सामाजिक उत्थान का हो और मन में उमंग हो, एक दूसरे से जुड़ने की। अगर हम ऐसी दीवाली मना पाए तो सच में जो उजाला पैदा होगा वह निहायत अद्भुत और सौम्य होगा। पर क्या ऐसा होगा?

पूजा गुप्ता, मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

जरूरत है भारतीय संस्कृति को बचाने की

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी में विराजमान भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में शांतिविधान व शांतिधारा का क्रम प्रतिदिन चला आ रहा है । यात्रीगण प्रतिदिन शांतिधारा कर अपने को गौरवान्वित कर रहे हैं । पूज्य माताजी ने प्राचीन तीरथों व जिनबिंबों की रक्षा के लिए सहस्त्रकूट का निर्माण करवाया रही है।

माताजी ने अपने प्रवचनों में कहा कि हम अपनी संस्कृति से दूर होकर पाश्चात्य संस्कृति की ओर बढ़ रहे हैं। जबकि अच्छी संस्कृति के बिना मनुष्य ही नहीं रहेंगे। संस्कृति परम्पराओं से, विश्वासों से, जीवन की शैली से, आध्यात्मिक पक्ष से, भौतिक पक्ष से निरन्तर जुड़ी है। यह हमें जीवन का अर्थ, जीवन जीने का तरीका सिखाती है। मानव ही संस्कृति का निर्माता है और साथ ही संस्कृति मानव को मानव बनाती है। पाश्चात्य संस्कृति मानव को दानव बना रही है। पहले सभी प्रातः काल में प्रभु का ध्यान भजन आदि करते थे । पर पाश्चात्य संस्कृति को अपनाकर हम अपनो रहन - सहन , खान - पान , रीति रिवाज सब भूलते जा रहे हैं। हम पश्चिम के देशों के तौर तरीके अपनाने की होड़ में लगे है तथा 6 हजार वर्ष पूरानी भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति को भूलाते जा रहे हैं। वक्त है हमें समय रहते सावधान हो जाना चाहिए तथा अपनी संस्कृति को बचाने का प्रयत्न करना चाहिए। आज आवश्यकता भारतीय संस्कृति की परम्पराओं को सहेजकर रखने के साथ साथ पाश्चात्य संस्कृति के आधुनिक मूल्यों को आत्मसात करने की हैं। हमें अपने धर्म देश व संस्कृति की रक्षा के लिए प्रयास करना चाहिए क्योंकि साधन से साधना नहीं होती बल्कि साधना से साधन स्वतः ही प्राप्त हो जाते हैं।

परमोपकारी इंद्रभूति गौतम गणधर स्वामी का केवल ज्ञान दिवस

डॉ. नरेन्द्र जैन भारती सनावद

जैन धर्म में सच्चे देव,शास्त्र, गुरु को समान रूप से पूजनीय माना गया है। पावन पर्व दीपावली ने इस कथन को सार्थकता प्रदान की है। इस दिन कार्तिक कृष्ण अमावश्या की प्रभात वेला में भगवान महावीर स्वामी को मोक्ष की प्राप्ति हुई थी अतः प्रातः काल श्रद्धालुओं ने निर्वाण लाडू चढ़ा कर भगवान महावीर स्वामी का मोक्ष कल्याणक मनाया तथा शाम को घरों में सोलह कारण भावना के प्रतीक सोलह दीपकों को प्रज्वलित कर, 64 बत्तीयों को जलाकर 64 ऋद्धियों का ज्ञान प्राप्त हो, ऐसी भावना भाते है ।गौतम गणधर स्वामी का केवलज्ञान दिवस मनाकर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके द्वारा किए गए अनंत उपकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। जैन धर्म के अनुसार केवलज्ञान की प्राप्ति के बाद समवशरण में तीर्थकरों की दिव्यध्वनि खिरने लगती है, लेकिन भगवान महावीर स्वामी के साथ ऐसा नहीं हुआ। वैराग्य धारण कर बारह वर्ष की कठोर तपस्या के उपरांत 26 अप्रैल ई. पू. 557 वर्ष में भगवान महावीर स्वामी को ऋम्भक नामक ग्राम में सालवृक्ष के नीचे केवलज्ञान की प्राप्ति हुई थी और वे सर्वज्ञ समदर्शी के रूप में प्रसिद्ध हुए। कर्मों का विजेता होने के कारण वे ''जिन'' कहलाये। केवलज्ञान की प्राप्ति होने के बाद भी 66 दिनों तक योग्य गणधर के अभाव में उनकी दिव्य ध्वनि नहीं खिरी। इंद्र को चिंता हुई और वे उस समय के योग्य विद्वान परंतु अभिमानी इंद्रभूति गौतम के पास गये और शंका का समाधान चाहा, लेकिन इंद्रभूति गौतम शंका का समाधान करने में असफल रहे और भगवान महावीर स्वामी के समवशरण में आए। उनके आगमन पर श्रावण कृष्ण प्रतिपदा के दिन भगवान महावीर स्वामी की दिव्यदेशना हुई। गौतम गणधर ने उनसे अनेक प्रश्नों का समाधान प्राप्त किया।

भगवान महावीर स्वामी के उपदेशों को सुनकर गौतम गणधर के परिणाम इतने निर्मल हो गए कि दीपावली पर भगवान महावीर स्वामी को कार्तिक कृष्ण अमावस्या के दिन मोक्ष की प्राप्ति हुई, उसी दिन शाम को गौतम गणधर स्वामी को केवलज्ञान प्राप्त हुआ ।इंद्रभूति गौतम गणधर ने भी प्राणियों को धर्म का उपदेश देकर सन्मार्ग पर लगाया और भगवान महावीर स्वामी के उपदेशों का प्रचार- प्रसार का महान उपकार किया। अतः हम सभी को कार्तिक कृष्ण अमावस्या के दिन गौतम गणधर स्वामी का स्मरण कर सम्यकज्ञान की प्राप्ति की कामना करना चाहिए । केवलज्ञान दिवस भी दीपावली के रूप में ज्ञान दीप प्रज्वलित कर मनाया जाता है। हम सभी को घर में प्रज्वलित दीपकों के माध्यम से ऋषि गौतम गणधर स्वामी का स्मरण कर सोलह कारण भावनाओं का सम्यकज्ञान प्राप्त हो, चौसठ ऋद्धियों को प्राप्त कर केवलज्ञान की प्राप्ति एवं मोक्ष का सुयोग बने, ऐसी कामना करना चाहिए। परम उपकारी गौतम गणधर स्वामी को केवलज्ञान प्राप्ति दिवस पर शत-शत नमन।

अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी ने कहा

अपने मन को पढ़ते रहना ही आत्म कथा पढ़ना है

औरंगाबाद, उदगाव.
शाबाश इंडिया

भारत गौरव साधना महोदधि सिंहनिष्क्रिड़ित व्रत कर्ता अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय 108 श्री पीयूष सागर जी महाराज ससंघ का महाराष्ट्र के ऊदगाव मे 2023 का ऐतिहासिक चौमासा चल रहा है इस दौरान भक्त को प्रवचन कहाँ की शायद यही भूल तुम्हें भटका रही है। अभी तक हमने वेद, पुराण, उपनिषद और अनेक ग्रन्थों को पढ़ा तब भी जीवन में परिवर्तन नही आया। एक बार स्वयं को पढ़ने की जरूरत है। सिर्फ एक बार, स्वयं की आत्मकथा पढ़ो।अभी तुमने गांधी जी, विवेकानंद जी, नेहरू जी, टालस्टॉय और वर्णी जी की आत्मकथा पढ़ी होगी। लेकिन मैं कहता हूँ अब एकान्त में बैठकर, अपनी आत्मकथा को पढ़ डालो। फिर देखो जीवन कैसे महकता है। आत्मकथा पढ़ने से मेरा तात्पर्य अपने मन को पढ़ने से है। मन में उठने बाले विचारों को पढ़ने से है। मन के सागर में आने वाली लहरों को देखने से है। अपने मन पर निगरानी रखिये कि कहीं वह प्रभु-पथ से भटक ना जाये। कहीं वह क्षुद्र स्वार्थों की खातिर धर्म, न्याय और नीति को छोड ना बैठे। क्योंकि यह मन बहुत बेईमान है। पद, पैसा और प्रतिष्ठा के लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाता है। कहीं ये मन, पाप और अधर्म के तत्पर ना हो जाये। अपने मन को पढ़ते रहना ही आत्म कथा पढ़ना है। ध्यान रखना। कपडा बिगड़े - चिन्ता नहीं करना। भोजन का स्वाद बिगड़े - चिन्ता नहीं करना। व्यापार बिगड़ जाये - चिन्ता नहीं करना। बेटा बिगड़ जाये तब भी चिन्ता नहीं करना। सिर्फ चिन्ता इतनी सी करना। कहीं मन और दिल ना बिगड़ जाये। क्योंकि इस दिल में ही तुम्हारा दिलबर रहता है-अपना प्यारा सा मन और खुबसूरत दिल, सिर्फ सन्त और अरिहन्त को ही देना। फिर कभी दिल का दौरा भी नहीं पड़ेग। **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

अगर मल त्याग में बहुत जोर लगाना पड़े और मल भी थोड़ा-थोड़ा और सूखा आये, तो क्या करना चाहिए?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।
9828011871

मल त्याग के समय बहुत जोर लगाना पड़े और मल भी थोड़ा और सूखा आए तो यह लक्षण भयंकर कब्ज के हैं , अपने खाने पीने की आदतों में सुधार कीजिए , भोजन में सलाद और मौसमी फलों का प्रयोग कीजिए । आटे में चोकर का प्रयोग कीजिए अथवा दलिया खाएं । हरी सब्जियां अधिक सेवन करें। सुबह खाली पेट गर्म पानी में एक नींबू निचोड़ कर थोड़ा सा सैंधा या काला नमक मिलाकर पीएं , बड़ी दाख जिसे मुनक्का कहते हैं १०-१२ रात को पानी में भिगोकर सुबह मसलकर पानी सहित पी जाएं, इसके स्थान पर अंजीर का प्रयोग भी इसी प्रकार किया जा सकता है या गर्म दूध में गुलकंद १ बड़ा चम्मच डालकर सुबह पी लें ।

आपको यह भयंकर कब्ज भी हो सकता है

आहार में बदलाव कीजिए। नशीले पदार्थों के सेवन से बचें...

गर्म दूध में गुलकंद १ बड़ा चम्मच डालकर सुबह पी लें

- आहार में बदलाव कीजिए।
- नशीले पदार्थों का सेवन से बचें।
- पानी पर्याप्त मात्रा में पीए।
- फाइबर कब्ज को कम करने में बहुत लाभदायक है इसलिए जितना हो सके अधिक फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ खाना चाहिए। (जैसे - अंजीर, खजूर, बीन्स, ब्रॉकली, चिया बीज इति।)

सामान्य उपचार

- रात को एक चम्मच शहद गुनगुने पानी के साथ पीए।
- दूध में साधित अंजीर/मुन्नक्का का सेवन भी कर सकतें हैं।
- एरंडी तेल (आधा चमच्च) दूध में मिलाकर सेवन कर सकते हैं।(रेचक का कार्य करता है)

सहकार भारती की दीपावली मिठाई निर्माण का अवलोकन व वितरण प्रारंभ किया गया

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। सहकार भारती द्वारा प्रतिवर्ष की भांति दीपावली पर्व पर मिठाई निर्माण का अवलोकन एवं वितरण प्रारम्भ किया गया। यह जानकारी देते हुये मिठाई प्रकल्प संयोजक सी ए सुनील सोमानी ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति दीपावली पर्व पर पांच प्रकार की मिठाई एवं 2 प्रकार की नमकीन का निर्माण किया गया। मिठाई एवं नमकीन एक किलो व आधा किलो की पेकिंग में उपलब्ध कराई जायेगी। इसके लिए आज समाज के प्रबुद्ध जन को अवलोकनार्थ निर्माण स्थल पर आमंत्रित किया गया। सहकार भारती के जिला महामंत्री दुर्गा लाल सोनी ने बताया कि पांच प्रकार की मिठाई में केशर काजू कतली, बादाम युक्त मेवाड़ी बेसन चक्की, बादाम गोंद पाक, वाईट कम्पाउड ड्राईफ्रूट चक्की तथा चोकलेट कम्पाउड ड्राईफ्रूट चक्की का निर्माण किया जाएगा । साथ ही शुद्ध मूंगफली के तेल से निर्मित प्लेन नमकीन, तथा मिक्स नमकीन का निर्माण भी किया गया है । इस हेतु कुल 85 वितरण केंद्र बनाए गए हैं। सहकार भारती के जिला संगठन प्रमुख सुभाष चेचाणी ने बताया कि इस बार मिठाई बुकिंग एवं वितरण हेतु पूरे जिले भर में कार्यकर्ताओ में उत्साह है। आज से वितरण भी प्रारम्भ कर दिया गया है । सहकार भारती के जिला कोषप्रमुख श्री नवनीत जी तोतला ने बताया कि इस बार जिले भर से करीब अभी तक कुल 11000 किलो मिठाई का निर्माण किया गया है। इस अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों को शत प्रतिशत मतदान के लिये शपथ दिलाई गई। अवलोकन हेतु सक्षम संस्था से श्री चेतन जी पारीक, ग्राहक पंचायत से श्री रोशन जी तोतला, सेवा भारती से श्री जमना लाल सोनी, श्री नटवर जी ओझा, संघ के विभाग संघचालक श्री चांदमल जी सोमानी, गणेश उत्सव समिति से श्री उदय लाल जी समदानी, श्री प्रह्लादराय जी सोनी, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री प्रशांत मेवाडा, ICAI भीलवाडा शाखा के चेयरमैन दिनेश आगाल आदि पधारे। इस मौके पर राष्ट्रीय सह कोष प्रमुख हनुमान प्रसाद अग्रवाल, राजस्थान प्रदेश सह कोष प्रमुख पुनीत सोमानी, राजस्थान उअ प्रकोष्ठ प्रमुख मनोज सोनी, विभाग सह संयोजक रामनरेश विजयवर्गीय, जिला संगठन प्रमुख सुभाष चेचाणी, महिला प्रमुख विजया सुराना, प्रह्लाद इनानी, मृदुल कोगटा, मदन लाल पोरवाल आदि उपस्थित थे ।

रक्तदान शिविर में 2127 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया

जैन सोशल ग्रुप सेंट्रल संस्था द्वारा एचडीएफसी बैंक के सहयोग से मणिपाल यूनिवर्सिटी में हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानव जीवन की रक्षा के लिए रक्त की विशिष्ट महत्व है। जैन सोशल ग्रुप सेंट्रल संस्था विगत10 वर्षों से प्रति वर्ष विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन मणिपाल यूनिवर्सिटी में कर रही है। इसी कड़ी में इस वर्ष मंगलवार 7 नवंबर 2023 को एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन एचडीएफसी बैंक के सहयोग से किया गया जिसमें तकरीबन 2127 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया ।इसमें जैन सोशल ग्रुप सेंट्रल के पदाधिकारी संस्थापक अध्यक्ष कमल सचेती, अध्यक्ष संजय सिंह बैद, उपाध्यक्ष सुरेश कुमार जैन, सचिव गुंजन छाजेड़ तथा कार्यकारिणी के अन्य सदस्य उपस्थित रहे ।एच डी एफ सी बैंक से आशीष राठी व उनकी टीम उपस्थित रही।इस कैम्प में राजस्थान के 18 से अधिक ब्लड बैंक सम्मिलित हुए। इस रक्तदान शिविर का आयोजन मणिपाल यूनिवर्सिटी के परिसर में किया गया। शिविर में रक्तदान करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नितिन अंजना जैन थे। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक सुधेंद्र चोरड़ियां ,हीरा सिंह बैद थे।

फ्रेंडली दिवाली अभियान शुरू

जयपुर. शाबाश इंडिया। लोकल फॉर सोशल से दिवाली मनाने का आह्वान करते हुए राजस्थान जन मंच पक्षी चिकित्सालय एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं ने सोशल डेवलपमेंट, लोकल प्रोडक्शन बढ़ावा और एनवॉयरनमेंट फ्रेंडली दिवाली अभियान का शुरू किया है। इस अभियान के तहत जरूरतमंद गरीब और कुटीर उद्योग वालों से राजस्थान जन मंच ने दिए क्रय कर वितरित किए। संस्था के कमल लोचन ने बताया कि इस मौके पर लोगों से आह्वान किया कि सभी लोग अपने-अपने स्तर पर सोशल डवलपमेंट , लोकल आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए ऑनलाइन सामान खरीदने की बजाय स्थानीय दुकानदारों से दीपक खरीद कर दिवाली का उत्सव मनाएं। लोकल फॉर सोशल के तहत पक्षी चिकित्सालय से आज 511 दियो के पैकेट वितरित किए गए। इस मौके पर पक्षी चिकित्सालय के संस्थापक कमल लोचन के अलावा संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारी वीरेंद्र मेहता, डॉ अनिल कुमार, युवा सदस्य सौम्यता लोचन और समृद्धि आदि मौजूद रहे। धनतेरस तक संस्था की ओर से यह अभियान चलाया जाएगा और जनसंपर्क किया जाएगा तथा गरीब दुकानदारों से प्राप्त कर निःशुल्क वितरित किए जाएंगे।